आई सिंघ पे सवार

आई सिंघ पे सवार

आई, सिंघ पे सवार, मईया ओढ़े चुनरी ॥
ओढ़े, चुनरी, मईया ओढ़े चुनरी ,
आई, सिंघ पे सवार, मईया.....

आदि शक्ति है, मात भवानी, जय दुर्गे माँ काली ।
बड़े बड़े, राक्षस संघारे, रण चंडी मतवाली ॥
करे, भक्तों का, उद्धार 'मईया ॥, ओढ़े चुनरी.....
आई, सिंघ पे सवार, मईया.....

महिषासुर सा, महाँ बली, देवों को ख़ूब सताया ।
छीन लिया, इन्द्रासन और, देवों को मार भगाया ॥
करी, देवों ने, पुकार 'मईया ॥, ओढ़े चुनरी.....
आई, सिंघ पे सवार, मईया.....

दुर्गा का, अवतार लिया झट, महिषासुर संघारी ।
दूर किया, देवों का संकट, लीला तेरी न्यारी ॥
किया, देवों पे, उपकार 'मईया ॥, ओढ़े चुनर.....
आई, सिंघ पे सवार, मईया.....

जो कोई जिस, मनसा से मईया, द्वार तिहारे जाता ।
हर इच्छा, होती पूरी और, मुँह माँगा फल पता
तेरा, गुण गावे, संसार 'मईया ॥, ओढ़े चुनरी
आई, सिंघ पे सवार, मईया.....

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33435/title/AAYI-SINGH-PE-SWAR

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |